रयत शिक्षण संस्था का,

डॉ.पतंगराव कदम महाविद्यालय, रामानंदनगर (बुर्ली)

हिंदी विभाग

'हिंदी दिवस समारोह'

2024 - 25

महाविद्यालय में हिंदी विभाग की ओर से 21 सितम्बर को 'हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया था । इस समारोह के लिये प्रमुख अतिथि के रूप में क्रांतीअग्रणी डॉ. जी.डी.बापू लाड महाविद्यालय, कुंडल के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ.जे.ए.पाटील उपस्थित थे । समारोह की अध्यक्षा महाविद्यालय की प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ) श्रीमती यू. व्ही. पाटील थी ।

समारोह का आरंभ 'करुणा' भित्ती पत्रिका के विमोचन के साथ हुआ। हिंदी प्रेमी, छात्रोंने 'करुणा' भित्ती पत्रिक का संकलन किया था। इस पत्रिका का विमोचन प्रमुख अतिथि डॉ.जे.ए.पाटील जी के करकमलों द्वारा किया गया। समारोह का प्रास्ताविक हिंदी विभागाध्यक्ष प्रा.डॉ.के.बी.भोसले जी ने किया । इन्होंने हिंदी विभाग द्वारा आयोजित विविध उपक्रमों की जानकारी दी, जिसमें प्रमुख रूप से निबंध, वक्तृत्व, गीतगायन, काव्यवाचन प्रतियोगिता, 'करुणा' भित्ती पत्रिका आदि का उल्लेख किया।

इसके बाद हिंदी विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं के प्रमाणपत्र छात्रों को समारोह की अध्यक्षा महाविद्यालय की प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ) श्रीमती यू. व्ही. पाटील और प्रमुख अतिथि डॉ.जे.ए.पाटील जी के द्वारा प्रदान किये गये।

समारोह के प्रमुख अतिथि डॉ.जे.ए.पाटील जी ने अपने मंतव्य में हिंदी दिवस का महत्व, हिंदी की आवश्यकता इस संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी। आगे उन्होंने कहा कि भारत देश में हिंदी ही आपसी संवाद का एकमात्र साधन है । हिंदी के विकास में साहित्यकारों का योगदान, विश्व स्तर पर हिंदी का बढता प्रभाव, हिंदी में रोजगार के अवसर आदि बातों पर प्रकाश डाला।

हिंदी आज विश्व स्तर की भाषा की ओर अग्रेसर होती जा रही है। आज हमें हिंदी को समृद्ध भाषा बनाने की जरुरत है। भाषा की सुंदरता के संदर्भ में भी उन्होंने कई उदाहरण दिए। भाषा को आज बचाने की जरुरत है, हिंदी का प्रचार प्रसार करने की आज आवश्यकता है। यह बात उन्होंने प्रमुख रूप में व्यक्त की ।

समारोह की महाविद्यालय की प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ) श्रीमती यू. व्ही. पाटील जी ने अपने अध्यक्षीय विचार व्यक्त करते हुये कहा, हिंदी आज विश्व स्तर की भाषा की ओर अग्रेसर होती जा रही है। आज हमें हिंदी को समृद्ध भाषा बनाने की जरुरत है। भाषा की सुंदरता के संदर्भ में भी उन्होंने कई उदाहरण दिए। हिंदी का प्रचार - प्रसार करने की आज आवश्यकता है। हिंदी का प्रचार - प्रसार हिंदी दिवस के माध्यम से किया जाता है, इसलिये यह दिवस मनाना चाहिये। इस बात को भी उन्होंने स्पष्ट किया।

समारोह के लिये महाविद्यालय के छात्र - छात्राएँ, अध्यापक गण बडी संख्या में उपस्थित थे। समारोह का आभारज्ञापन प्रा.सौ. माधुरी सावंत जी ने किया । समारोह का सूत्रसंचालन डॉ. नितीन कुंभार जी ने किया।

लाभार्थी संख्या - 53

उपलब्धि - राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार प्रसार करना ।

हिंदी साहित्य सृजन के प्रति छात्रों में रुचि बढाना ।

प्रमुख अतिथि प्रो (डॉ.)जे.ए.पाटील

अध्यक्षा प्रो. (डॉ) यू. व्ही. पाटील

अध्यक्ष
हिंदी विभाग

डॉ. पतंगराव कदम महाविद्यालय रामानंदनगर (बुर्ली)

प्राचार्य
डॉ.पतंगराव कदम महाविद्यालय,
रामानंदनगर (बुर्ली)